6 अंबर की बातें क्या जानूँ

भाग्य के भरोसे हाथ पर हाथ रखकर बैठे रहनेवालों को कवि अपनी धरती के गुण याद दिलाकर यह संदेश देना चाहते हैं कि ऐसा क्या है, जो इस धरा-धाम पर पाया न जा सके? यह धरती सब कुछ देने में समर्थ है। सभी वस्तुएँ और पदार्थ यही दे सकती है इसलिए किसी कल्पना-लोक को नहीं, इस ठोस धरती को जानो। आइए, हम भी जानें इस धरती पर कवि के अभिमान का कारण।

मैंने धरती के गीत सुने, अंबर की बातें क्या जानूँ?
धरती ने पहले बोल सुने, धरती पर पहला स्वर फूटा,
धरती ने जीवन दान दिया, धरती पर जीवन सुख लूटा,
धरती माता के अंचल में, ममतामय स्नेह दुलार मिला,
धरती ने आँसू झेले हैं, धरती पर पहला प्यार खिला,
धरती ने स्वर्ण बिखेरा है, नभ की सौगातें क्या जानूँ?

फूलों ने हँस मोहकता दी, कलियों ने मृदु मुसकानें दीं,
मंजरियों ने मादकता दी, कोकिल ने मधुमय तानें दीं,
वल्लरियों ने गलबाँहें दे, प्राणों को नव संगीत दिया,
काँटों ने कठिन परीक्षा ले, जीवन का प्रेरक गीत दिया,
सोने के दिन कब देख सका, चाँदी की रातें क्या जानूँ?

सूरज धरती की छाती पर, संपूर्ण तेज अज़माता है,
नभ अपने वज्र प्रहारों से, धरती के प्राण कँपाता है,
ज्वालामुखियों-भूकंपों ने, धरती पर प्रलय मचाया है,
मानव ने मानव के वध से, धरती पर खून बहाया है,
लपटों शोलों से खेला हूँ, शीतल बरसातें क्या जानूँ?

ढह गए महल, गड़ गए मुकुट, धरती अब भी मुसकाती है,
हैं चाँद-सितारे मौन खड़े, यह धरती अब भी गाती है,
धरती पर कितने चरण चले, कितनों ने रोया-गाया है,
धरती की नीरव भाषा को, पर कौन भला पढ़ पाया है,
मैंने तो भू के अंक पढ़े, नभ लिपि की बातें क्या जानूँ?
मैंने धरती के गीत सुने, अंबर की बातें क्या जानूँ?

— *नर्मदा प्रसाद खरे*

कवि परिचय : नर्मदा प्रसाद खरे का जन्म जबलपुर में हुआ। मध्य प्रदेश हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष, *प्रेमा* पत्रिका में सहायक संपादक तथा *युगारंभ* समाचार-पत्र के संपादक रहे। *ज्योति-गंगा* और *स्वर पाथेय* इनके प्रमुख कविता संग्रह हैं और *रोटियों की वर्षा* कहानी संग्रह।

पाठ मूल्यांकन

अभ्यास

शब्दार्थ

सौगातें - भेंट, उपहार; **मृदु** - कोमल, मधुर; **मंजरियों** - कोंपल, फूल;
मादकता - नशीलापन; **मधुमय** - मीठा, शहद से युक्त; **वल्लरियों** - लताओं;
वज्र - कठोर; **प्रहार** - आक्रमण; **नीरव** - शांत, जिसमें ध्वनि न हो

कविता-बोध

मौखिक

प्रत्येक 1 अंक

1. कवि अंबर की बातें क्यों नहीं जानता?
2. कवि के साथ सब कुछ धरती पर ही क्यों हुआ है?
3. नभ धरती के प्राण कैसे कँपाता है?
4. प्राणों को नया संगीत कैसे मिला है?
5. कविता का लययुक्त वाचन कीजिए। M.I.

लिखित

अर्थ-ग्रहण संबंधी प्रश्न Comprehension

ढह गए महल, गड़ गए मुकुट, धरती अब भी मुसकाती है,
हैं चाँद-सितारे मौन खड़े, यह धरती अब भी गाती है,
धरती पर कितने चरण चले, कितनों ने रोया-गाया है
धरती की नीरव भाषा को, पर कौन भला पढ़ पाया है,
मैंने तो भू के अंक पढ़े, नभ लिपि की बातें क्या जानूँ?
मैंने धरती के गीत सुने, अंबर की बातें क्या जानूँ?

Skills/Learning on this Page: • **Word Power** • **Verbal Expression** – recitation • **Comprehension** – M.I.
• **जीवन-मूल्य** - जीवन-दर्शन, प्रकृति-परिचय